हिन्दी

द्वितीय प्रश्न - पत्र

खंड-I

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर :-

वर्ण-व्यवस्था	-	स्वर व व्यंजनों का वर्गीकरण
शब्द-वर्गीकरण (स्त्रोत के आधार पर)	-	तत्सम, तद्भव, विदेषी
शब्द-वर्गीकरण (व्याकरण आधारित)	-	विकारी एवं अविकारी शब्दों का परिचय और भेद-उपभेद
व्याकरणिक कोटियां	-	लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य
शब्द-रचना	-	संधि, समास, उपसर्ग व प्रत्यय।
शब्द-ज्ञान	-	पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थ शब्द, समश्रुत भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द
वाक्य-रचना	-	वाक्य का स्वरूप, पदक्रम, अंग, भेद-उपभेद

शब्द-शुद्धिकरण

वाक्य-शुद्धिकरण

विराम चिह्नों का परिचय

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

अपठित गद्यांश/पद्यांश आधारित प्रश्न

खंड-II

स्नातक स्तर :

(अ) शब्द शक्तियों के भेद व उदाहरण

काव्य की रीतियाँ, काव्य गुण, काव्यदोष (श्रुतिकटुत्व, ग्राम्यत्व, अप्रतीतत्व, क्लिष्टत्व, अक्रमत्व तथा दुष्क्रमत्व)

अलंकार - श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, असंगति, संदेह, भ्रांतिमान, विरोधाभास व मानवीकरण ।

छंद - दुरतविलम्बित, हरिगीतिका, कवित्त, सवैया, दोहा, सोरठा व चौपाई

रस - रस का स्वरूप, रसावयव और रस-भेद

(ब) हिन्दी साहित्य का इतिहास - नामकरण, कालविभाजन,

आदिकाल - काव्य धाराएं, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार

भक्तिकाल - काव्य धाराएं, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार

रीतिकाल - काव्य धाराएं, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार

आधुनिक काल - पद्य का विकास - भारतेंदु युग, द्विवेद्वी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, नई कविता

आधुनिक काल - गद्य का विकास - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, संस्मरण

(स) हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, हिन्दी एवं उसकी बोलियों का सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि

(द) कबीर ग्रन्थावली - साखी - प्रथम 5 अंग एवं प्रथम 10 पद (सं0 श्यामसुन्दर दास)

- तुलसीदास - रामचरितमानस (बालकाण्ड)
- सूरदास - भ्रमरगीतसार (प्रथम 20 पद - सं0 रामचन्द्र शुक्ल)

- मीराबाई - मीरां पदावली (प्रथम 20 पद - सं0 परशुराम चतुर्वेदी)
- बिहारी रत्नाकर - (प्रथम 20 दोहे)
- सूर्यमल्ल मीसण (मिश्रण) -वीर सतसई (प्रथम 20 दोहे - सं0 नरोत्तमदास स्वामी, नरेन्द्र भानावत, लक्ष्मी कमल)
- रामधारी सिंह दिनकर - कुरूक्षेत्र (प्रथम सर्ग)
- जयशंकर प्रसाद - कामायनी (श्रद्धा सर्ग)
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल- चिन्तामणि - (भाग-1) केवल उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, लोभ और प्रीति
- मोहन राकेश - लहरों के राजहंस
- यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' - खून का टीका
- कहानियाँ - उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
  पूस की रात - प्रेमचंद
  पटाक्षेप नहीं होगा - हेतु भारद्वाज
  उजाले के मुसाहिब - विजयदान देथा

खंड- III हिन्दी शिक्षण एवं शिक्षण विधियाँ

(अ) - भाषायी कौषलों के विकास हेतु निम्नांकित पक्षों के स्वरूप का षिक्षण- श्रवण, उच्चारण, वर्तनी, वाचन (सस्वर व मौन) अभिव्यक्ति (लिखित एवं मौखिक)

- हिन्दी की विभिन्न विधाओं का षिक्षण, षिक्षण विधियाँ एवं पाठ योजना निर्माण (इकाई व दैनिक)- गद्य षिक्षण, पद्य षिक्षण, व्याकरण षिक्षण, रचना षिक्षण, कहानी षिक्षण, नाटक षिक्षण

(आ) - भाषा षिक्षण में निदानात्मक परीक्षण व उपचारात्मक षिक्षण

- भाषा षिक्षण में सहायक सामग्री का उपयोग
- भाषा षिक्षण में मूल्यांकन- सतत् एवं समग्र मूल्यांकन, पाठान्तर्गत व पाठोपरांत मूल्यांकन